Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 19-12-2006

Participants :

>

Title: Need to take steps to ensure availability of edibale oil in adequate quantity meeting the future requirements of the country.

*m01

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : महोदय, अभी हाल ही में सरकारी पक्ष की ओर से घोाणा की गई है कि आगामी फसल के दौरान 74 मिलियन टन गेहूं की पैदावार होने की संभावना है, जो गत वर्ा की तुलना में 5 मिलियन टन से कहीं अधिक है किंतु, खाद्य तेलों की उपज कम होने के संबंध में कृाि मंत्रालय मौन है। देश में अनाज जितना आवश्यक है खाद्य तेल भी उतना ही जरूरी है। आगामी रबी के फसल के दौरान तिलहन 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक कम होना आवश्यक है क्योंकि वर्ा 2005-06 में तिलहन 93.29 लाख टन हैक्टेयर भूमि में बोया गया था जो अभी 2006-07 में 85.22 लाख हैक्टेयर में सिमट चुका है। तिलहन के कमी से खाद्य तेलों की कीमतें भविय में आकाश की ओर जायेंगी और उसकी आपूर्ति के लिए आयात पर देश की निर्भरता बढ़ेगी। खाद्य तेल की मांग प्रतिवर्ा 3-4 प्रतिशत तक बढ़ती है इसलिए एक अनुमान है कि आगामी वर्ा में 6 मिलियन टन तक अधिक खाद्य तेल आयात करना पड़ेगा। खाद्य तेल एक आवश्यक सामग्री है, इसलिए उसकी आपूर्ति व्यवस्था भी उचित हो यह सरकार की जिम्मेदारी है। अतः मेरा अनुरोध है कि सरकार समय रहते इस मामले पर ध्यान दे।